सेन्ट्रल जोन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से सम्बद्ध)

प्रभांजलि, 33, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

क्षेत्रीय कामकाजी महिला समन्वय समिति

परिपत्र/विशेष

दिनांक : 28.11.2016

मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों के नाम

प्रिय साथियों,

विषय : सी.जेड.आई.ई.ए. का पांचवा महिला सम्मेलन ग्वालियर में सम्पन्न।

24-25 जुलाई 2016 को जबलपुर में सम्पन्न हुए सी.जेड.आई.ई.ए. की कार्यकारिणी समिति की बैठक के निर्णयानुसार सीजेडआईईए का पांचवा महिला सम्मेलन ग्वालियर में 13.11.2016 को जीडीआईईए, ग्वालियर के तत्वावधान में आयोजित किया गया। ग्वालियर के समस्त साथियों में इसके आयोजन का उत्साह नजर आ रहा था। कार्यक्रम का प्रारंभ ध्वजारोहण से हुआ, प्रतिनिधियों में उपस्थित रायपुर मंडल की वरिष्ठ साथी मैना दास ने ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात शहीद वेदी पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। यह कार्यक्रम आयोजन स्थल कुंदन गेस्ट हाउस के प्रांगण में हुआ।

सभा स्थल पर सबसे पहले अध्यक्ष मंडली हेतु का. उषा परगनिहा ने का. गीता पंडित, रायपुर का. जया डेकाटे, भोपाल एवं का. अमिता ग्वालियरकर, ग्वालियर के नाम का प्रस्ताव रखा जिसका समर्थन का. गंगा साहू, रायपुर ने किया। सम्मेलन की मुख्य अतिथि का. के हेमलता, अखिल भारतीय सचिव, सीटू तथा विशिष्ठ अतिथि का. धर्मराज महापात्र, सहसचिव सीजेडआईईए थे। अतिथियों का पुष्पगुच्छ से सम्मान किया गया तथा स्वागत गीत एवं जनगीत ग्वालियर की महिला साथियों ने प्रस्तुत किया। उद्घाटन सत्र का. उषा परगनिहा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुआ।

सम्मेलन स्थल को ग्वालियर मंडल के महिला व पुरूष साथियों ने रंगोली, तोरणों, झण्डों इत्यादि से भव्यता के साथ सुसज्जित किया था। ग्वालियर के साथियों की मेहनत की बानगी सम्मेलन स्थल में प्रवेश से ही दिखायी दे रही थी।

प्रतिनिधि सत्र का प्रारंभ समन्वय समिति की ओर से संयोजिका के प्रतिवेदन के पठन से प्रारंभ हुआ। प्रतिवेदन पर मध्यक्षेत्र की 6 मंडल इकाईयों जिसमें भोपाल से का. मंजू शील, का. जया डेकाटे, स्मृति कपूर, रायपुर से का. गंगा साहू, का. अंजना बाबर, का. अनुसुईया ठाकुर, का. ललिता सोनी, सतना से का. मोनिका अवस्थी, शहडोल से का. सुधा श्रीवास्तव ग्वालियर से का. सुनिता सिंग, का. दीपाली नागर ने रिपोर्ट पर अपने विचार रखे। उन्होंने अपने-अपने मंडल में अपनी गतिविधियों की जानकारियां दी। प्रतिवेदन पर बहस के बाद संयोजिका ने अपनी बात रखी और प्रतिवेदन को सम्मेलन ने सर्वसम्मति से पारित किया। सम्मेलन ने एकमत से विधायिका में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के लिए तीव्र संघर्ष की आवश्यकता महसूस किया। श्रम कानूनों में संशोधन कर कामकाजी महिलाओं की सुविधाओं को कम करने और सुविधाओं को छीनने की कोशिश की जा रही है। ट्रेड यूनियन, महिलाओं को निर्णयों में शामिल करते हैं उन्हें नेतृत्व के अवसर प्रदान करते हैं जो समाज कम ही करता है। शनि शिंगनापुर, हाजी अली और सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति उनके इस आत्म-विश्वास में वृद्धि करेगा कि संघर्ष से विजय हासिल किया जा सकता है। स्पोर्ट्स पालिसी, मोबिलिटी आदि के खिलाफ भी एकजुट संघर्ष की आवश्यकता पर सम्मेलन में बल दिया गया। साथियों की जागरूकता को समाज में भी प्रचारित-प्रसारित किया जाये। सम्मेलन ने संगठन को और मजबूत करने महिला साथियों की सक्रियता पर जोर दिया।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि का. के. हेमलता ने एआईआईईए की तारीफ करते हुए कहा कि कुछ महिला साथी सीटू से भी जुड़कर अहम् भूमिका निभा रही हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियां मेहनतकश विरोधी है, 2 सितम्बर 2016 को 12 सूत्रीय मांगों को लेकर 18 करोड़ लोगों ने हड़ताल किया था। उन्होंने बताया महिलाओं के साथ भेदभाव प्रत्येक क्षेत्र में दिखता है समान काम के लिए समान वेतन नहीं मिलता है, कार्यक्षेत्र में भेदभाव होता है, नेशनल हेल्थ मिशन के कार्य करने वाली आशा, उषा के कार्यकर्ताओं से बहुत कम मानदेय के एवज में सरकार उनका शोषण ही करती है, सरकार 26 सप्ताह के मातृत्व की घोषणा करती है और इसका लाभ इन कार्यकर्ताओं को नहीं मिलता है। महिलाओं के लिए अलग शौचालय तक अनेक कार्यक्षेत्र में नहीं है। उत्पीड़न के खिलाफ प्रत्येक उद्योग में समिति के गठन के सरकारी निर्देश के बाद भी समिति निर्माण नहीं हुआ है। सरकार की नीतियों का विरोध करने पर देशद्रोही करार देते हैं और सरकार सार्वजनिक उद्योगों को निजी हाथों में देने की योजनाबद्ध तैयारी में है। इन सबके खिलाफ संगठन को मजबूत करें और मेहनतकशों के अन्य तबकों को समझाए, एआईआईईए की महिला साथी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

विशिष्ठ अतिथि का. धर्मराज महापात्र ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा एलआईसी जैसे सार्वजनिक उद्योग में महिलाएं अधिकार, जागरूक और सुरक्षित हैं। ऐसे माहौल को बनाये रखने के लिए सार्वजनिक उद्योगों को बचाने के संघर्ष को तीव्र करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि बहुसंख्यक के पास कुछ नहीं है और कुछ लोगों के पास बहुत कुछ है तो यह अधिक दिन तक नहीं रह सकेगा इसीलिए हमें सबके लिए संघर्ष करना होगा। सरकार कहती कुछ और है करती कुछ और है एक ओर नारा देती है बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और 41000 स्कूल बंद करती है। महिलाओं को पंच-सरपंच चुने जाने में शिक्षा की बाध्यता के द्वारा रोक लगाने की कोशिश कर रही है। विधायिका में आरक्षण का बिल राज्यसभा में पारित हुए 6 वर्ष बीत चुके हैं, इसे लोकसभा में पारित नहीं करवाना महिला विरोधी नीति को ही प्रदर्शित करता है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा का कारण कपड़े, मोबाइल को कारण बता दिया जाता है। महिलाओं सहित सभी मेहनतकशों को अपने हितों को समझना होगा और अपने दोस्तों और दुश्मनों को सही तौर पर पहचानना होगा।

सम्मेलन में महिला आरक्षण बिल एवं सशक्तिकरण पर, बीमा कानून संशोधन 2015 वापस लो, एआईआईईए को मान्यता दो, सामाजिक उत्पीड़न पर और नवउदारवाद की नीतियों को पलटने की मांग के प्रस्ताव पारित किये गये।

सम्मेलन के अंत में सर्वसम्मति से अगले सत्र हेतु 9 सदस्यीय समन्वय समिति का गठन किया गया जो इस प्रकार है:-

का. उषा परगनिहा	संयोजिका
का. मंजू शील	बीडीआईईयू
का. संगीता झा	बीडीआईईए
का. सुनीता सिंह	जीडीआईईए
का. सुधा पंताने	आईयू
का. गायत्री सूरी	जेडीआईईयू
का. गंगा साहू	आरडीआईईयू
का. मोनिका अवस्थी	एसडीआईईए
का. संगीता मल्लिक	एसडीआईईयू

जीडीआईईए के महासचिव का. बृजेश सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही सम्मेलन समाप्त हुआ।

साथियों, सीजेडआईईए की महिला समिति ने एआईआईईए के आह्वान के अनुरूप मध्यक्षेत्र के विभिन्न मंडलों में सभी साथियों के सहयोग से ट्रेड यूनियन आन्दोलन के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका अदा की है। अनेक स्थानों पर हमारी महिला साथी इकाई व मंडलीय स्तरीय प्रमुख नेतृत्व का हिस्सा बनी हैं। निश्चय ही आगामी दिनों में पंचम क्षेत्रीय महिला सम्मेलन के निर्णय के अनुरूप अपनी सक्रियता को और अधिक विकसित करेंगे और संगठन व समाज के व्यापक जनवादी आन्दोलन को मजबूत बनाने में और बेहतर योगदान सुनिश्चित करेंगे यह हमारा विश्वास है। हम ग्वालियर मंडल के सभी साथियों को पुनः इस सम्मेलन के शानदार आयोजन के लिये हार्दिक धन्यवाद भी प्रेषित करते हैं।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ,

आपकी साथी

(उषा परगनिहा)

संयोजिका